



# सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

## असाधारण

विधायी परिषिष्ठ

भाग-4, खण्ड (ख)

(परिनियत आदेश)

लखनऊ, मंगलवार, 12 मार्च, 2024

फाल्गुन 22, 1945 शक सम्वत्

उत्तर प्रदेश शासन

खादी एवं ग्रामोद्योग अनुभाग-2

संख्या 141 / 59-2-2024-E-1645520

लखनऊ, 12 मार्च, 2024

अधिसूचना

प०आ०-८५

चूंकि किसी पहचान दस्तावेज के रूप में आधार के उपयोग से सरकारी परिदान प्रक्रियाएं सुगम हो जाती हैं, पारदर्शिता और दक्षता लाती है और लाभार्थी अपनी पहचान साबित करने के लिए बहुविध दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता से मुक्त होकर सुविधाजनक और निर्बाध रीति से सीधे अपना हक प्राप्त करने योग्य हो जाते हैं;

और, चूंकि, खादी तथा ग्रामोद्योग विभाग (जिसे आगे 'विभाग' कहा गया है) (एक) खादी और ग्रामोद्योग विकास एवं सतत स्वरोजगार प्रोत्साहन नीति के अधीन टूलकिट्स वितरण/प्रशिक्षण योजना (दो) कौशल विकास प्रशिक्षण योजना (तीन) उत्पाद विकास मानकीकरण एवं गुणवत्ता विनिश्चय योजना तथा (चार) सहकारिता योजना (जिन्हें आगे 'उक्त योजना' कहा गया है) प्रशासित कर रहा है, जो उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड (जिसे आगे क्रियान्वयनकर्ता अभिकरण कहा गया है) के माध्यम से क्रियान्वित की जा रही है;

और, चूंकि, टूलकिट वितरण/प्रशिक्षण योजना के अधीन पारंपरिक या अन्य व्यक्तियों की आय बढ़ाने के प्रयोजनार्थ उपकरणों का मुफ्त वितरण किया जाता है, कौशल विकास प्रशिक्षण योजना (सामान्य/एससी एसपी और टीएसपी) के अधीन उत्पाद विकास मानकीकरण एवं गुणवत्ता विनिश्चय योजना के अधीन विभिन्न सेक्टरों में उद्योगों को स्थापित करने के लिये प्रशिक्षण दिया जाता है; शहद उत्पादन में लगे लोगों को समर्त आवश्यक उपकरणों के साथ शहद बर्क्स वितरित किये जाते हैं और सहकारिता योजना के अधीन क्रियान्वयनकर्ता अभिकरण द्वारा विद्यमान योजना के मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार वृत्तिक और स्थानीय पारंपरिक कारीगरों (जिन्हें आगे 'लाभार्थी' कहा गया है) की मांग पर विभाग में सहकारी समितियों के रजिस्ट्रीकरण के माध्यम से रोजगार प्रदान किया जाता है;

और, चूँकि, पूर्वोक्त योजनाओं में उत्तर प्रदेश की संचित निधि से उपगत आवर्ती व्यय अन्तर्विष्ट है;

अतएव, अब, आधार (वित्तीय और अन्य सहायिकियों, प्रसुविधाओं और सेवाओं का लक्षित परिदान) अधिनियम, 2016 (अधिनियम संख्या 18 सन् 2016) (जिसे आगे 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 7 के अनुसरण में उत्तर प्रदेश सरकार एतद्वारा निम्नानुसार अधिसूचित करती है, अर्थात् :—

1—(1) उक्त योजना के अधीन प्रसुविधाएं प्राप्त करने के लिए पात्र व्यक्ति से एतद्वारा आधार संख्या धारित करने का प्रमाण प्रस्तुत करने या आधार अधिप्रमाणन कराने की अपेक्षा की जायेगी।

(2) उक्त योजनाओं के अधीन प्रसुविधाओं का उपभोग करने का इच्छुक कोई व्यक्ति, जो आधार संख्या धारित न करता हो या जिसने अभी तक आधार के लिए नामांकन न किया हो, से उक्त योजना को रजिस्ट्रीकृत करने के पूर्व आधार नामांकन के लिए आवेदन करने की अपेक्षा की जायेगी, परन्तु यह कि वह उक्त अधिनियम की धारा 3 के अनुसार आधार प्राप्त करने का हकदार हो और ऐसे व्यक्ति को आधार हेतु नामांकित किये जाने के लिए किसी आधार नामांकन केन्द्र [भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडी0ए0आई0) की वेबसाइट [www.uidai.gov.in](http://www.uidai.gov.in)] पर उपलब्ध सूची पर जाना होगा।

(3) आधार (नामांकन और अद्यतन) विनियम, 2016 के विनियम 12 के अनुसार, विभाग से अपने क्रियान्वयनकर्ता अभिकरण के माध्यम से ऐसे लाभार्थियों, जो अभी तक आधार के लिए नामांकित न हों, के लिए आधार नामांकन सुविधाएं प्रदान करने की अपेक्षा की जायेगी, और यदि सम्बन्धित ब्लॉक या तालुका या तहसील में कोई आधार नामांकन केन्द्र अवस्थित न हो तो विभाग अपने क्रियान्वयनकर्ता अभिकरण के माध्यम से भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के विद्यमान रजिस्ट्रारों के साथ समन्वय करके या स्वयं भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडी0ए0आई0) का रजिस्ट्रार होकर सुविधाजनक अवस्थानों पर नामांकन सुविधायें प्रदान करेगा:

परन्तु यह कि किसी व्यक्ति को आधार समनुदेशित किये जाने के समय तक उक्त योजना के अधीन प्रसुविधायें, ऐसे व्यक्ति को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत किये जाने के अध्यधीन प्रदान की जायेगी, अर्थात् :—

(क) यदि उसने नामांकन किया है, तो उसकी आधार नामांकन पहचान पर्ची; और

(ख) निम्नलिखित दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज; अर्थात् —

(एक) फोटोयुक्त बैंक या पोस्ट ऑफिस पासबुक; या

(दो) स्थायी खाता संख्या (ऐन) कार्ड; या

(तीन) पासपोर्ट; या

(चार) राशन कार्ड; या

(पाँच) मतदाता पहचान पत्र; या

(छ) मनरेगा कार्ड; या

(सात) किसान फोटो पासबुक; या

(आठ) मोटर यान अधिनियम, 1988 (अधिनियम संख्या 59 सन् 1988) के अधीन लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा जारी ड्राइविंग लाइसेंस; या

(नौ) राजपत्रित अधिकारी या तहसीलदार द्वारा अपने शासकीय/पत्र शीर्षक पर जारी किये गये ऐसे व्यक्ति की फोटोयुक्त पहचान प्रमाण—पत्र; या

(दस) विभाग द्वारा यथा विनिर्दिष्ट कोई अन्य दस्तावेज़;

परन्तु यह और कि उपरोक्त दस्तावेजों की जाँच विभाग उक्त प्रयोजनार्थ विनिर्दिष्ट रूप से अभिहित किसी अधिकारी द्वारा की जा सकती है।

2—योजना के अधीन लाभार्थियों को सुविधाजनक रूप से प्रसुविधायें प्रदान करने के उद्देश्य से विभाग को अपने क्रियान्वयनकर्ता अभिकरण के माध्यम से यह सुनिश्चित करने के लिए समस्त अपेक्षित व्यवस्थाएं करनी होंगी कि मीडिया के माध्यम से लाभार्थियों के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार उन्हें उक्त आवश्यकताओं से अवगत कराने के लिए किया जायेगा।

3—समस्त मामलों में, जहाँ लाभार्थियों में खराब बायोमेट्रिक्स के कारण या किसी अन्य कारण से आधार अधिप्रमाणन विफल हो जाता है, वहाँ निम्नलिखित उपचारात्मक तंत्र अपनाये जायेंगे, अर्थात् :—

(क) खराब फिंगरप्रिंट गुणवत्ता के मामले में, अधिप्रमाणन के लिए आईरिस स्कैन या फेस अधिप्रमाणन सुविधा अपनाई जाएगी, जिससे विभाग अपने क्रियान्वयनकर्ता अभिकरण के माध्यम से सहज रीति से प्रसुविधा प्रदान करने के लिए फिंगरप्रिंट अधिप्रमाणन के साथ ही साथ आईरिस स्कैनर या फेस अधिप्रमाणन के लिए उपबन्ध करेगा;

(ख) यदि फिंगरप्रिंट या आईरिस स्कैन या फेस अधिप्रमाणन के माध्यम से बायोमेट्रिक अधिप्रमाणन सफल नहीं होता है, तो जहाँ कहीं सम्भाव्य और अनुज्ञेय हो, सीमित समय की वैधता के साथ यथास्थिति आधार वन टाइम पासवर्ड या समय-आधारित वन-टाइम पासवर्ड द्वारा अधिप्रमाणन/प्रस्तावित किया जा सकता है;

(ग) अन्य समस्त मामलों में जहाँ बायोमेट्रिक या आधार वन टाइम पासवर्ड या समय-आधारित वन-टाइम पासवर्ड अधिप्रमाणन सम्भव न हो, वहाँ उक्त योजना के अधीन प्रसुविधाएं, ऐसे भौतिक आधार पत्र के आधार पर दी जा सकती हैं, जिसकी अधिप्रमाणिकता, आधार पत्र पर मुद्रित विवक रिस्पांस कोड (क्यूआरकोड) के माध्यम से सत्यापित की जा सकती हैं और विवक रिस्पांस कोड रीडर की आवश्यक व्यवस्था, विभाग द्वारा अपने क्रियान्वयनकर्ता अभिकरण के माध्यम से सुविधाजनक अवस्थानों पर प्रदान की जायेगी।

4—उपरोक्त के अतिरिक्त, यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कि उक्त योजना के अधीन कोई वास्तविक लाभार्थी अपनी देय प्रसुविधाओं से वंचित न हो, विभाग अपने क्रियान्वयनकर्ता अभिकरण के माध्यम से कैबिनेट सचिवालय, डी०बी०टी० मिशन, भारत सरकार कार्यालय ज्ञाप संख्या डी-२६०११/०४-२०१७-डीबीटी, दिनांक 19 दिसम्बर, 2017 में यथा रेखांकित अपवाद हैंडलिंग तंत्र का अनुसरण करेगा।

5—यह अधिसूचना सरकारी गजट में प्रकाशित किये जाने के दिनांक से प्रभावी होगी।

आज्ञा से,  
अमित मोहन प्रसाद,  
अपर मुख्य सचिव।

IN pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 141/LIX-2-2024-E-1645520, dated March 12, 2024:

No. 141/LIX-2-2024-E-1645520

*Dated Lucknow, March 12, 2024*

WHEREAS, the use of Aadhaar as an identity document for delivery of services or benefits or subsidies simplifies the Government delivery processes, brings in transparency and efficiency, and enables beneficiaries to get their entitlements directly in a convenient and seamless manner by obviating the need to produce multiple documents to prove one's identity;

AND, WHEREAS, the Department of Khadi and Village Industries (hereinafter referred to as the "Department") is administering (i) 'toolkits distribution/training programme' under the Khadi and Village Industries Development and Sustainable Self-Employment Promotion Policy, (ii) Skill Development Training Programme, (iii) Utpad Vikas, Mankikaran evam Gunvatta Vinishchay Yojana, and (iv) Sahkarita Yojana (hereinafter referred to as the "said schemes") which is being implemented through the Uttar Pradesh Khadi and Village Industries Board (hereinafter referred to as the "Implementing Agency");

AND, WHEREAS, under the Toolkits Distribution/Training Programme, free distribution of equipment for the purpose of increasing the income of traditional or other persons is done; under the Skill Development Training Programme (General/SCSP and TSP), training is given for setting up industries in various sector's; under the Utpad Vikas Mankikaran evam Gunvatta Vinishchay Yojana, honey boxes along with all the necessary equipments are distributed to the people engaged in honey production; and under the Sahkarita Yojana, employment is provided through Cooperative Societies registration in the department on the demand of professional and local traditional artisans (hereinafter referred to as the "beneficiaries"), by the Implementing Agency as per the extent Scheme guidelines;

AND, WHEREAS, the aforesaid Schemes involves recurring expenditure incurred from the Consolidated Fund of Uttar Pradesh;

Now, THEREFORE, in pursuance of section 7 of the Aadhaar (Targeted Delivery of Financial and Other Subsidies, Benefits and Services) Act, 2016 (Act no. 18 of 2016) (hereinafter referred to as the "said Act"), the State Government of Uttar Pradesh hereby notifies the following, namely :–

1. (1) An individual eligible for receiving the benefits under the Scheme shall hereby be required to furnish proof of possession of the Aadhaar number or undergo Aadhaar authentication.

(2) Any individual desirous of availing benefits under the Scheme, who does not possess the Aadhaar number or, has not yet enrolled for Aadhaar, shall be required to make application for Aadhaar enrolment before registering for the Scheme provided that he is entitled to obtain Aadhaar as per section 3 of the said Act, and such individuals shall visit any Aadhaar enrolment centre [list available at the Unique Identification Authority of India (UIDAI) (website [www.uidai.gov.in](http://www.uidai.gov.in))] to get enrolled for Aadhaar.

(3) As per regulation 12 of the Aadhaar (Enrolment and Update) Regulations, 2016, the Department through its Implementing Agency, is required to offer Aadhaar enrolment facilities for the beneficiaries who are not yet enrolled for Aadhaar and in case there is no Aadhaar enrolment centre located in the respective Block or Taluka or Tehsil, the Department through its Implementing Agency shall provide Aadhaar enrolment facilities at convenient locations in coordination with the existing Registrars of UIDAI or by becoming a UIDAI Registrar themselves:

Provided that till the time Aadhaar is assigned to the individual, benefits under the Scheme shall be given to such individual, subject to the production of the following documents, namely :–

(a) If he has enrolled, his Aadhaar Enrolment Identification slip; and

(b) Any one of the following documents, namely –

(i) Bank or Post Office Passbook with Photo; or

- (ii) Permanent Account Number (PAN) Card; or
- (iii) Passport; or
- (iv) Ration Card; or
- (v) Voter Identity Card; or
- (vi) MGNREGA Card; or
- (vii) Kisan Photo Passbook; or
- (viii) Driving license issued by the Licensng Authority under the Motor Vehicles Act, 1988 (Act no. 59 of 1988); or
- (ix) Certificat of identity having photo of such person issued by a Gazetted Officer or a Tehsildar on an official letter head; or
- (x) Any other document as specified by the Department :

Provided further that the above documents may be checked by an officer specifically designated by the Department for that purpose.

2. In order to provide benefits to the beneficiaries under the Scheme conveniently, the Department through its Implementing Agency shall make all the required arrangements to ensure that wide publicity through the media is given to the beneficiaries to make them aware of the said requirement.

3. In all cases, where Aadhaar authentication fails due to poor biometrics of the beneficiaries or due to any other reason, the following remedial mechanisms shall be adopted, namely :-

(a) In case of poor fingerprint quality, IRIS scan or face authentication facility shall be adopted for authentication. Thereby, the Department through its Implementing Agency shall make provisions for IRIS scanners or face authentication along with finger-print authentication for delivery of benefits in seamless manner;

(b) In case the biometric authentication through fingerprints or IRIS scan or face authentication is not successful, wherever feasible and admissible authentication by Aadhaar One-Time Password or Time-based One-Time Password with limited time validity, as the case may be, shall be offered;

(c) In all other cases where biometric or Aadhaar One-Time Password or Time based One-Time Password authentication is not possible, benefits under the Scheme may be given on the bases of physical Aadhaar letter whose authenticity can be verified through the Quick Response code printed on the Aadhaar letter and the necessary arrangement of Quick Response code (QR Code) reader shall be provided at the convenient locations by the Department through its Implementing Agency.

4. In addition to the above, in order to ensure that no *bona fide* beneficiary under the Scheme is deprived of his due benefits, the Department through its Implementing Agency shall follow the exception handling mechanism as outlined in the Office Memorandum no. D-26011/04/2017-DBT of DBT Mission, Cabinet Secretariat, Government of India, dated 19<sup>th</sup> December, 2017.

5. This notification shall come into effect from the date of its publication in the *Official Gazette*.

By order,

AMIT MOHAN PRASAD,

*Apar Mukhya Sachiv.*

पी०एस०यू०पी०-ए०पी० 1197 राजपत्र-2024-(3266)-599 प्रतियां (क/टी०/ऑफसेट)।

पी०एस०यू०पी०-ए०पी० 1 सा० खादी एवं ग्रामोद्योग-2024-(3267)-300 प्रतियां (कम्प्यूटर/टी०/ऑफसेट)।